

यूनाइटेड कगिडम की उत्तरी सागर में ड्रलिंग

प्रलिस के लिये:

यूनाइटेड कगिडम की उत्तरी सागर ड्रलिंग उत्तरी सागर, [1958 जनिवा कन्वेंशन](#), ब्रिटेन की संसद का 1964 का महाद्वीपीय शेल्फ अधिनियम, [नेट-शून्य उत्सर्जन](#)

मेन्स के लिये:

यूनाइटेड कगिडम की उत्तरी सागर ड्रलिंग और इसकी पर्यावरणीय चिंताएँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में UK के प्रधानमंत्री ने ब्रिटेन की ऊर्जा स्वतंत्रता को बढ़ाने के उद्देश्य से उत्तरी सागर में ब्रिटिश तट पर अतिरिक्त जीवाश्म ईंधन ड्रलिंग की योजना का समर्थन किया है, यह [जलवायु लक्ष्यों के प्रति UK की प्रतिबद्धता](#) के विपरीत है।

- ड्रलिंग के लिये उद्योगों को वनियमिति करने के लिये ज़िम्मेदार [उत्तरी सागर संक्रमण प्राधिकरण \(NTSA\)](#) 33वें अपतटीय तेल और गैस लाइसेंसिंग दौर की देखरेख कर रहा है।

उत्तरी सागर ड्रलिंग का उद्भव:

- उत्तरी सागर के बारे में:**
 - उत्तरी सागर [उत्तर पश्चिमी यूरोप](#) में स्थित है। इसकी सीमा कई देशों से लगती है, जिनमें पूर्व और उत्तर में नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, जर्मनी, नीदरलैंड एवं बेल्जियम तथा यूनाइटेड कगिडम शामिल हैं।
 - यह [डोवर जलसंधि और इंग्लिश चैनल](#) द्वारा अटलांटिक से जुड़ा हुआ है, साथ ही ऑर्कनी तथा शेटलैंड द्वीपों व शेटलैंड द्वीपों एवं नॉर्वे के मध्य सीधा महासागर में मलिता है।
- प्रष्ठभूमि**
 - [महाद्वीपीय जलमग्न सीमा पर 1958 का जनिवा कन्वेंशन](#) पहला अंतरराष्ट्रीय कानून था जिसने समुद्र तट से सटे महाद्वीपीय सीमा पर देशों के अधिकारों को स्थापित किया और [उत्तरी सागर में अन्वेषण का मार्ग प्रशस्त किया](#)।
 - [UK की संसद के महाद्वीपीय जलमग्न सीमा अधिनियम, 1964](#) ने अपने तटों के समीप समुद्र तल के नीचे तेल और गैस संसाधनों पर देश के अधिकार क्षेत्र को मज़बूत किया।
 - ब्रिटिश पेट्रोलियम (BP) ने [1964 में UK के उत्तरी सागर में पहला अन्वेषण लाइसेंस हासिल किया](#), जिससे अगले वर्ष प्राकृतिक गैस की खोज हुई।
 - हालाँकि ड्रलिंग कार्यों को असफलताओं का सामना करना पड़ा, विशेष रूप से [1965 में बीपी-संचालित सी जेम ड्रलिंग रिंग का ढहना](#)।
 - इसके बाद 1970 में स्कॉटलैंड के एबरडीन के पूर्व में फोर्टीज़ फ़िल्ड में वाणिज्यिक तेल की खोज की गई और उत्तरी सागर में अगले दशकों में [वभिन्न कंपनियों के अन्वेषण प्रयासों में वृद्धि](#) देखी गई।
- यूनाइटेड कगिडम की वर्तमान आवश्यकता:**
 - यूनाइटेड कगिडम ने इस बात पर ज़ोर दिया कि वर्ष 2050 तक [शुद्ध-शून्य उत्सर्जन](#) (Net-Zero Emissions) हासिल करने के बाद भी यूनाइटेड कगिडम की ऊर्जा आवश्यकताओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, लगभग एक-चौथाई अब भी तेल और गैस पर निर्भर रहेगा।
 - यूनाइटेड कगिडम के राष्ट्रपति ने तर्क दिया कि अन्य देशों के संभावित अवश्विस्नीय स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय घरेलू आपूर्ति का उपयोग करके इन आवश्यकताओं को पूरा करना बेहतर है।
 - वर्ष 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने की यूनाइटेड कगिडम की प्रतिबद्धता के बावजूद जलवायु लक्ष्यों के पालन को लेकर चिंताएँ जताई जा रही हैं।
 - जलवायु परिवर्तन समिति (Climate Change Committee- CCC) ने अपनी मार्च 2023 की प्रगति रिपोर्ट में बताया कि ब्रिटेन ने दूसरे [राष्ट्रीय अनुकूलन कार्यक्रम \(National Adaptation Programme\)](#) के तहत जलवायु परिवर्तन के लिये पर्याप्त तैयारी नहीं की है।

अपतटीय ड्रिलिंग (Offshore Drilling) से जुड़ी पर्यावरण संबंधी चर्चाएँ:

- **तेल का रिसाव:**
 - अपतटीय ड्रिलिंग कार्यों से तेल रिसाव (Oil Spills) का खतरा रहता है, जिसका समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र तथा वन्य जीवन पर वनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। रिसाव हुए तेल से पक्षियों, समुद्री स्तनधारियों तथा मछलियों का दम घुट सकता है, उनमें इन्सुलेशन की कमी हो सकती है और भोजन खोजने की उनकी क्षमता पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।
- **समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में गड़बड़ी:**
 - ड्रिलिंग प्लेटफॉर्मों, पाइपलाइनों और अन्य बुनियादी ढाँचे की भौतिक उपस्थिति समुद्री आवासों को प्रभावित कर सकती है।
 - ड्रिलिंग कार्यों से होने वाला शोर और कंपन, समुद्री जीवों के नेविगेशन तथा प्रजनन पैटर्न को प्रभावित करके समुद्री जीवन को नुकसान पहुँचा सकता है।
- **जैवविविधता पर प्रभाव:**
 - ड्रिलिंग संरचनाओं का निर्माण जल के नीचे के आवासों, जैसे- प्रवाल भित्तियाँ और तलीय समुद्री घास को नुकसान पहुँचा सकता है, ये समुद्री प्रजातियों के लिये प्रमुख प्रजनन स्थल के रूप में काम करते हैं।
- **जलवायु परिवर्तन:**
 - अपतटीय ड्रिलिंग से प्राप्त जीवाश्म ईंधन को निकालने और जलाने से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि होती है, यह अंततः वैश्विक जलवायु परिवर्तन के प्रभावों में वृद्धि करता है।
 - अपतटीय ड्रिलिंग से महासागर भी गर्म होते हैं, जिससे समुद्र के स्तर में वृद्धि होती है और समुद्री धाराओं में व्यवधान उत्पन्न होता है।
- **संसाधनों का क्षरण:**
 - गहन अपतटीय ड्रिलिंग से तेल और गैस भंडार खत्म हो सकते हैं, जिससे पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में इन संसाधनों के नए क्षेत्रों का पता लगाने का दबाव बढ़ जाएगा।
- **अम्लीकरण:**
 - महासागर जीवाश्म ईंधन को जलाने से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड द्वारा अवशोषित कर लेते हैं, जिससे समुद्र का अम्लीकरण हो जाता है। यह अम्लीकरण समुद्री जीवन विशेष रूप से कैल्शियम कार्बोनेट शैल अथवा कंकाल वाले जीवों, जैसे- प्रवाल भित्तियाँ और शैलफिश को नुकसान पहुँचाता है।

[स्रोत: द द्रिष्टि](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/uk-s-north-sea-drilling>

